जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 32 संख्याः 94 प्रभात अजमेर, गुरुवार, 6 नवम्बर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मतदान की पूर्व संध्या पर राहुल गांधी ने अपना हाइड्रोजन बम फोड़ा

उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करके आरोप लगाया कि पच्चीस लाख वोट चोरी किये गए हैं तथा आठ चुनाव क्षेत्रों में बाइस हजार वोट मैनेज किये गये हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। राहुल गांधी ने आज तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने भाजपा नेतृत्व पर हरियाणा में जनता का जनादेश "चुराकर" एक अवैध सरकार बनाने का आरोप लगाया।

राहुल ने हाइड्रोजन बम फोड़ा, जिसमें उन्होंने विस्तार से बताया कि किस तरह भाजपा नेतृत्व ने भारत निर्वाचन आयोग के साथ मिलीभगत करके हरियाणा विधानसभा चुनाव में वोट चोरी की और एक "फर्जी तथा गैरकानूनी" सरकार स्थापित की।

तथ्यों, आँकड़ों, उदाहरणों और ठोस सबूतों के साथ राहुल ने यह साबित किया कि कांग्रेस पार्टी हरियाणा विधानसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से जीत रही थी, लेकिन वोट चोरी के कारण धोखाधड़ी से बनी भाजपा सरकार को सत्ता में बैठा दिया गया।

- यह संख्या, विजेता और दूसरे नंबर पर आए उम्मीदवार के वोटों के फर्क के बराबर सी ही है।
- राहुल गांधी के अनुसार, यह जीत का मॉडल भाजपा और चुनाव आयोग ने मिलकर इजाद किया और क्रियान्वित किया, हरियाणा में और अब बिहार में दोहराया जा रहा है।
- भाजपा का प्रत्यारोप है कि राहुल अपनी हार की पाल बाँध रहे हैं।

राहुल का यह "एच-बम" बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण से ठीक एक दिन पहले छोड़ा गया, जहाँ कांग्रेस महागठबंधन के तहत, भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए के खिलाफ चुनाव लड़ रही है।

यह अभी स्पष्ट नहीं है कि राहुल गांधी के इस खुलासे का बिहार चुनाव पर क्या प्रभाव पड़ेगा, लेकिन राहुल ने दावा किया कि बिहार में भी भाजपा ने लाखों वोट जोड़ने और हटाने का खेल खेला है, जिससे चुनाव परिणामों पर गंभीर असर पड़ सकता है।

राहुल ने यह भी स्वीकार किया कि हाँ, इसका बड़ा असर हो सकता है और संभव है कि कांग्रेस को बिहार में हार का सामना करना पड़े।

राहुल ने दावा किया कि "कांग्रेस की जीत को हार में बदलने और भाजपा को विजेता घोषित करने के लिए एक पूर्व नियोजित योजना बनाई गई थी।" उन्होंने दावा किया कि "करीब 25 लाख वोट चोरी किए गए और आठ विधानसभा क्षेत्रों में 22,000 वोटों का हेरफेर किया गया, जो दोनों दलों के बीच के अंतर के बराबर था।"

राहुल ने कहा, "कांग्रेस को छोड़ दीजिए, यह इस देश के युवाओं के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर में नीट की छात्रा ने आत्महत्या की

जयपुर, 5 नवंबर। महेश नगर थाना इलाके में पीजी में रह रही नीट छात्रा ने अपने रुम में फंदे से लटकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद हॉस्टल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार पोस्टमार्टम के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया और घटना की जानकारी मृतक छात्रा के परिजनों को दी।

थानाधिकारी सुरेश यादव ने बताया कि 17 वर्षीय नीट छात्रा दौसा के सिकंदरा इलाके की रहने वाली थी और त्रिवेणी नगर स्थित चौधरी गर्ल्स पीजी में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी।

- दौसा के सिकंदरा की रहने वाली छात्रा त्रिवेणी नगर में पीजी हॉस्टल में रह कर तैयारी कर रही थी।

बुधवार सुबह उसकी रूम पार्टनर कोचिंग के लिए चली गई। पीछे से छात्रा ने कमरे में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। दोपहर करीब 1:30 बजे रूम पार्टनर पीजी लौटी। कमरा अंदर से बंद होने पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाया और आवाज लगाई। जबाव नहीं मिलने पर पीजी संचालक और सहेलियों को बताया। धक्का देकर गेट खोलने पर कमरे में छात्रा फंदे से लटकी मिली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रथम चरण की 121 सीटों पर एनडीए का पलड़ा कुछ भारी लग रहा है

हालांकि, भाजपा की स्थानीय इकाई में नेतृत्व कमज़ोर है तथा हिन्दुत्व का आकर्षण भी घटा है तथा नीतीश कुमार का स्वास्थ्य व याददाश्त शोचनीय है

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। पहले चरण के मतदान के अन्तर्गत, गुरुवार को 18 जिलों की 121 सीटों पर मतदान होने जा रहा है, और इस चरण में एनडीए को महागठबंधन पर हल्की बढ़त हासिल होती दिखाई दे रही है।

जहां भाजपा के पास राज्य स्तर पर कोई प्रभावी नेतृत्व नहीं है और उसके हिंदुत्व आधारित प्रचार को भी खास गति नहीं मिल पाई है वहीं, मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार बीमारियों से जूझ रहे हैं और उनकी याददाश्त कमजोर हो जाने की चर्चाएँ हैं। इसके बावजूद, अगर एनडीए को संभावित विजेता के रूप में देखा जा रहा है, तो इसके पीछे प्रमुख कारण हैं - महागठबंधन का बिखरा हुआ प्रचार अभियान और सीट बंटवारे में की गई भारी गलतियाँ।

लगभग एक दर्जन सीटों पर महागठबंधन के घटक दल एक-दूसरे के खिलाफ ही चुनाव लड़ रहे हैं। साथ ही, गठबंधन को बाग़ी उम्मीदवारों की गंभीर समस्या का सामना भी करना पड़ रहा है, जो निर्दलीय के रूप में मैदान में हैं।

- महागठबंधन टिकटों के बँटवारे पर उत्पन्न आत्मघाती मतभेदों से कभी उभर नहीं पाया और अभी भी बारह सीटों पर फ्रेंडली फाइट (मैत्रीपूर्ण युद्ध) जारी है।
- तेजस्वी यादव के महत्वाकांक्षी वादों, हर महिला को तीन हजार रूपये देना और हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की बात को जनता अविश्वसनीय व अव्यवहारिक मान रही है।
- प्रशांत किशोर दोनों गठबंधनों के वोट कांटेंगे, पर ज्यादा महागठबंधन के।
- पर, यह भी सच है कि चुनाव का एजेंडा प्रशांत किशोर ने तय किया और सभी पार्टियाँ उनके एजेंडा, बेरोज़गारी, यूथ का पलायन, शिक्षा व सुलभ-स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धि का नारा दोहरा रही हैं।

स्थिति को और खराब किया है महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के अविश्वसनीय वादों ने, जैसे महिलाओं को 30,000 रुपये देने का वादा और हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान करने का दावा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चंद्रबाबू नायडू भी बड़ी गंभीरता से बिहार के चुनाव को देख रहे हैं

उनके सोलह लोकसभा सदस्य एनडीए सरकार की स्थिरता के लिए बहुत महत्व रखते हैं

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। बिहार में पहले चरण के मतदान में अब कुछ ही घंटे बाकी हैं और राज्य के प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में राजनीतिक माहौल तनावपूर्ण और अस्थिर बना हुआ है। जहां एक ओर मुख्य मुकाबला एनडीए और महागठबंधन के बीच है, वहीं बिहार की चुनावी हलचल का असर राज्य की सीमाओं से परे भी महसूस किया जा रहा है, खासकर आंध्र प्रदेश में, जहां तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख और मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू हालात पर बारीकी से नज़र रखे हुए हैं।

टीडीपी के सूत्रों के अनुसार, नायडू स्वयं बिहार से आने वाले राजनीतिक फीडबैक की समीक्षा कर रहे हैं। उन्हें अच्छी तरह पता है कि बिहार चुनाव के नतीजे राष्ट्रीय राजनीति पर असर डाल सकते हैं। सोलह लोकसभा सांसदों के साथ, टीडीपी दिल्ली में एनडीए की एक अहम सहयोगी पार्टी है और मोदी नेतृत्व वाले गठबंधन सरकार का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी। पार्टी के अंदरूनी सूत्र मानते हैं कि यदि बिहार में भाजपा का प्रदर्शन कमजोर रहता है, तो इससे भाजपा की राष्ट्रीय राजनीतिक स्थिति प्रभावित हो सकती है और उसके साथ ही एनडीए में टीडीपी की भूमिका भी प्रभावित हो सकती है।

- अगर, भाजपा हार भी जाती है बिहार में, तो भी नायडू एनडीए का साथ नहीं छोड़ेंगे, क्योंकि उन्हें केन्द्र से भारी आर्थिक सहायता मिल रही है।
- ऐसा बताया जाता है कि उनकी फिक्र है कि यदि बिहार का नतीजा भाजपा के खिलाफ जाता है तो आरएसएस व भाजपा के बीच समीकरणों में भी अंतर आ सकता है।
- उन्हें इस बात का फर्क नहीं पड़ता कि दिल्ली में किस व्यक्ति का शासन चलता है।
- वे केवल केन्द्र और आँध्र के बीच संबंधों में किसी प्रकार की अनिश्चितता बर्दाश्त नहीं कर पायेंगे, जिससे केन्द्र से मिलने वाली वित्तीय सहायता पर आँच आए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव 12 दिसंबर को

जयपुर, 5 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व महासचिव सहित अन्य पदों के लिए 12 दिसंबर को होने वाले वार्षिक चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। वहीं चुनाव प्रक्रिया पूरी करवाने के लिए अधिवक्ता जयप्रकाश गुप्ता, दिनेश पाठक और नरेन्द्र सिंह शेखावत की तीन सदस्यीय समिति बना दी गई है।

- चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा हुई।

समिति सदस्य दिनेश पाठक ने बताया कि "वन बार वन वोट" के तहत 10 नवंबर से अधिवक्ता शपथ पत्र भरना शुरू कर देंगे। वहीं 19 नवंबर को बार एसोसिएशन में मतदान करने वाले अधिवक्ताओं की सूची जारी कर दी जाएगी और 22 नवंबर को अंतरिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। अंतरिम मतदाता सूची में 25 नवंबर तक यदि कोई संशोधन होगा तो वह किया जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप व उनकी टीम को सामान्य अमेरिकी के दुख दर्द की बेहरमी से अनदेखी करना ले बैठा

एक तरफ तो सरकारी कर्मचारियों को सरकार के शटडाउन होने से लंबे समय से वेतन नहीं मिल रहा था, दूसरी ओर ट्रंप भव्य भोज आयोजित कर रहे थे, फाइव स्टार क्लब व विला और रिसॉर्ट में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। अमेरिका में लोकतंत्र एक बार फिर मजबूती से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। हाल ही में हुए कई चुनावों, जिन्हें राजनीतिक विश्लेषकों ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के शासन पर जनमत-संग्रह माना था, में मतदाताओं ने राष्ट्रपति की मनमानी नीतियों को सख्ती से नकार दिया है।

एक प्रमुख राजनीतिक हस्ती ने स्थिति को सटीक रूप से व्यक्त किया : अमेरिकी मतदाता इस प्रशासन के कामकाज को लेकर "आक्रोश" में हैं।

तीन अहम राज्यों और अमेरिका के केन्द्र, न्यूयॉर्क सिटी में रिपब्लिकन पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा।

रिपब्लिकन समर्थन में आयी यह गिरावट कोई मामूली नहीं थी। इसका बड़ा कारण ट्रंप की डेमोक्रेट्स के खिलाफ असफल राजनीतिक रणनीति रही, जो अंततः अमेरिकी संघीय सरकार के लंबे समय तक बंद रहने (शटडाउन) पर जाकर खत्म हुई। इसने हजारों संघीय कर्मचारियों को कठिनाई और आर्थिक संकट में डाल दिया।

- अति उस वक्त हो गई, जब ट्रंप ने वाइट हाउस का पूर्वी हिस्सा तुड़वा दिया, अपना ड्रीम बॉलरुम बनाने के लिए, जहाँ राजा की भाँति अपने शाही मेहमानों को दर्शन दे सकें।
- एक सामान्य अमेरिकी के लिए वाइट हाउस उसके प्रजातंत्र का ऐतिहासिक प्रतीक है। अतः इस प्रतीक को तोड़कर पार्टियों के लिए बॉलरुम बनाना किसी के गले नहीं उतर रहा है।
- इसकी तुलना में ज़ोहरान ममदानी साधारण व्यक्ति हैं, जो आम जनता को, जो शटडाउन से त्रसित थी, सोशल वेलफेयर देने के हिमायती थे।

इससे राष्ट्रपति के करीबी सहयोगियों में आम अमेरिकियों की तकलीफों के प्रति असंवेदनशीलता की भावना फैल गई।

इन तमाम अभावों के बीच, जब देश आर्थिक तंगी से गुजर रहा था, ट्रंप ने अपने आलीशान विला और क्लबों में भव्य पार्टियों का आयोजन किया, जबकि सरकारी कर्मचारियों और अन्य अमेरिकी नागरिकों को सरकारी खाद्य सहायता और अन्य सामाजिक लाभों से वंचित रहना पड़ा, क्योंकि सरकारी बंद (शटडाउन) का दौर चल रहा था।

ट्रंप की विलासिता की इस प्रवृत्ति ने तब और विनाशकारी मोड़ ले लिया, जब उन्होंने वाइट हाउस के पूर्वी विंग को ध्वस्त करने का आदेश दिया, जो अमेरिकी राज्य का सबसे ज्यादा पहचाने जाने वाला प्रतीत है। उन्होंने इसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विवाह स्थलों के कानूनी प्रावधान से चलने की जाँच जेडीए करे

जयपुर, 5 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर विकास प्राधिकरण को निर्देश दिए हैं कि वह जांच करे कि मैरिज गार्डन मास्टर प्लान और कानूनी प्रावधानों के अनुसार चल रहे हैं या नहीं? वहीं, अदालत ने प्रावधानों की अवहेलना कर संचालित हो रहे मैरिज गार्डन पर कार्रवाई को कहा है। अदालत ने चेतावनी देते हुए कहा कि मामले में अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और चुनिंदा तरीके से कार्रवाई करने पर जोन अधिकारी के साथ ही, जेडीसी पर भी कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

- हाई कोर्ट ने कहा, यदि चुनिंदा तरीके से कार्यवाही हुई तो जेडीसी पर कार्यवाही हो सकती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय मूल के तीन मुस्लिम नेताओं की जीत से ट्रंप की राजनीतिक सोच को भारी झटका

ज़ोहरान ममदानी न्यूयॉर्क में, आफताब पुरवाल सिनसिनाटी में, ग़ज़ाला हाशमी वर्जीनिया में गर्वनर चुने गए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल और दक्षिण एशियाई अमेरिकियों के लिए एक अहम घटनाक्रम में तीन प्रमुख नेताओं, ज़ोहरन ममदानी, आफताब पुरवाल और ग़ज़ाला हाशमी ने 2025 के चुनावों में बड़ी जीत दर्ज कर ट्रंप की राजनीति को गहरा झटका दिया है। यह देशभर में प्रतिनिधित्व और विविधता के लिए एक ऐतिहासिक क्षण माना जा रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की वाइट हाउस में दूसरी बार वापसी के बाद हुए पहले बड़े चुनावों में सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि डेमोक्रेट्स ने 4 नवम्बर को हुए विभिन्न चुनावों में भारी जीत हासिल की।

प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक मीरा नायर के बेटे जोहरन ममदानी, जो 34 वर्षीय डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट विधायक हैं, ने न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का कड़ा मुकाबला जीतकर इतिहास रच दिया। वे अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम मेयर बने हैं। इसे इस्लामोफोबिया और ज़ायनिज़्म के खिलाफ एक मजबूत संदेश के रूप में देखा जा रहा है। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि यहूदी लॉबी ने ममदानी को हराने के लिए पूरा ज़ोर लगाया था और देशभर के रब्बियों ने उनके खिलाफ वोट डालने की अपील जारी की थी।

युगांडा में जन्मे ममदानी, जो फिल्मकार मीरा नायर और विद्वान महमूद ममदानी के पुत्र हैं, ने पूर्व न्यूयॉर्क गवर्नर एंड्रयू कुओमो (जो निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े थे) और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा को हराया। 83 प्रतिशत वोटों की गिनती पूरी होने तक ममदानी को 9,48,202 वोट (50.6 प्रतिशत) मिले, जबकि कुओमो को 7,76,547 (41.3 प्रतिशत) और स्लिवा को 1,37,030 वोट प्राप्त हुए।

- आफताब पुरवाल ने सिनेटर जेडी वैंस के भाई कोरी बोमैन को हराया। उल्लेखनीय है कि वैंस, ट्रंप की सरकार में उपराष्ट्रपति हैं।
- वैंस अपनी भारतीय मूल की हिंदू पत्नी उषा वैंस के बारे में यह टिप्पणी करके, कि उनकी पत्नी इसाई धर्म अपना लेगी, विवादित हो गये थे।
- ट्रंप के ब्रांड की राजनीति को पराजित करने का श्रेय अप्रवासी भारतीय व लैटिन अमेरिकन मूल के अमेरिकीयों को दिया जा रहा है।

न्यूयॉर्क सिटी चुनाव आयोग के अनुसार, इस बार लगभग 20 लाख लोगों ने मतदान किया, जो 1969 के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान है।

ममदानी के प्रचार अभियान का केन्द्र बिंदु जीवन-यापन की लागत को कम करना और कामकाजी वर्ग के न्यूयॉर्क निवासियों का उत्थान था, जो युवाओं और आर्थिक रूप से परेशान मतदाताओं के साथ गहराई से जुड़ गया था। उनकी जीत को उस शहर के वैचारिक परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है, जिसे अक्सर अमेरिकी पूंजीवाद का केन्द्र कहा जाता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण मुकाबले में, डेमोक्रेट आफताब पुरेवाल ने सिनसिनाटी के मेयर के रूप में पुनः चुनाव जीत लिया। उन्होंने रिपब्लिकन कोरी बोमैन (सीनेटर जे. डी. वैंस के सौतेले भाई) को हराया।

पुरेवाल ने पहली बार 2021 में मेयर का चुनाव जीता था। उन्हें शहर में आर्थिक अवसरों के विस्तार और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के लिए सराहा गया है। हालांकि यह पद आधिकारिक रूप से गैर-दलीय है, फिर भी पुरेवाल को डेमोक्रेटिक पार्टी का मजबूत समर्थन प्राप्त था और उन्होंने प्राथमिक चुनाव में 80 प्रतिशत से अधिक वोटों से जीत दर्ज की थी। पेशे से वकील, पुरेवाल की पुनः जीत सिनसिनाटी के निवासियों में उनकी लोकप्रियता की पुष्टि करती है।

वर्जीनिया में, भारत में जन्मी ग़ज़ाला हाशमी (61 वर्ष) ने इतिहास रचा, जब वे लेफ्टिनेंट गवर्नर चुनी गईं। वे इस पद पर पहुंचने वाली पहली मुस्लिम और दक्षिण एशियाई-अमेरिकी बनीं।

डेमोक्रेट और लंबे समय से राज्य सीनेटर रहीं हाशमी ने 14,65,634

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सऊदी अरब से आये यात्री से 534 ग्राम सोना पकड़ा

जयपुर, 5 नवंबर। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने जयपुर एयरपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए रियाद (सऊदी अरब) से आए एक यात्री को सोने सहित पकडा है तथा उससे अंडरवियर में छिपाकर लाया गया 534 ग्राम सोना बरामद किया गया है। जब्त किए गए सोने की बाजार कीमत 66 लाख रुपए बताई जा रही है।

- डीआरआई ने जयपुर हवाई अड्डे पर यात्री को गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार, रियाद (सऊदी अरब) से जयपुर आई फ्लाइट के यात्री को संदिग्ध मानकर जांच की गई। तलाशी में संदिग्ध यात्री के अंडरवियर में पेस्ट के रूप में छिपाकर लाया सोना मिला। डीआरआई टीम ने सोना तस्करी कर लाने के मामले में आरोपी तस्कर को पकड़ा। उसकी तलाशी में मिले करीब 534 ग्राम सोने को जब्त किया गया।